Chearactristic of counsling

जब हम counsling की Nature पर गौर करते हैं तो हमें जो विशेषता दिखाई देती हैं उन्हें हम इस प्रकार देख सकते हैं। —

i) counsling is a dynamic relationship between the counsler & clint.

ii) It is a Process a change development and learning.

iii) It is a formal Private and Personal Process.

iv) counsling is continuess Process

v) counsling is a valuntary Process.

vi) counsling help the individual to becom self sufficient.

vii) counsling Maintion confidenliarity and Privage.

viii) counsling focoused attention on

specific Problem of the clients.

ix) There are Exchang of verbal or non verbal Messages in counselling

x) Establishment of Report with clints is essentiont characteristics of counsling.

i) Establishment of Repport with client is essential charactristic of counselling :-

counselling ਇਕ ਲੰਮੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਹੈ ਜਿਸਦੇ ਵਿੱਚ counseller ਅਤੇ client ਦੇ ਵਿੱਚ ਇਕ Relationship ਸਥਾਪਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਅਤੇ ਇਹ ਸੰਬੰਧ ਤਾਂ ਹੀ ਬਣ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇਕਰ client ਨੂੰ counseller ਉੱਤੇ ਭਰੋਸਾ ਹੋਣ ਲੱਗਦਾ ਹੈ। Repport ਸਥਾਪਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਜਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ client ਦੀ ਗੱਲ ਨੂੰ ਧਿਆਨਪੂਰਵਕ Emphathy & Synophathy ਦੇ ਨਾਲ ਸਮਝਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਤਾਂ ਹੀ Repport ਸਥਾਪਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

Scanned by TapScanner

Pg (3)

(i) Counseling is dynamic relationship between the counselor & client

ii/ counselling की प्रक्रिया में एक लम्बा संबंध स्थापित होता है जो Tamprory होता है। लेकिन client को यह एहसास होना चाहिए कि यह संबंध बहुत ही महत्वपूर्ण और स्थाई है। इस तरह के संबंध में counsellor अपने client के साथ एक आत्मीय संबंध स्थापित करता है फिर client की हालत अच्छी होने के बाद धीरे-धीरे अपना संबंध खत्म कर लेता है।

(2) it is a process of change, development & learning

iii/ counselling एक लम्बा Process है जिसके अंतर्गत client की Personality में परिवर्तन लाया जाता है और उसका विकास किया जाता है। इसी तरह का change और Development में learning का काफी महत्वपूर्ण योगदान होता है।

(3) it is a process of formal private & personal.

iv/ counselling का स्वरूप formal भी होता है और Private तथा Personal भी। formal इसलिए कहते हैं क्योंकि इसका conditional और Procedure एक Systematic group से किया जाता है दूसरी ओर यह Private और Personal इसलिए कहलाता है क्योंकि इसमें client के निजी बातों एवं व्यक्तिगत समस्या का समाधान दिया जाता है।

Q. 4

Counselling is Continuous process

counselling एक लम्बा Process है जिसकी आवश्यकता हर समय हर व्यक्ति को महसूस होती है। यह कहना उचित होगा की counselling जन्म से लेकर मृत्यु तक चलती रहती है यह प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। बच्चे, जवान, वृद्ध, आदि सभी लोगों की counselling की आवश्यकताओं के समाधान को ढूंढा जाता है

(5) Counseling is valiantary process

vi) counselling एक प्रकार का volantary Process है जिसमें client एवं counsller अपनी इच्छा से जाता है और समस्या का समाधान चाहता है। counselling की विशेषता की चर्चा Rogers ने अपनी "client centerd tharapy" में की है।

(6) Counseling is process of confidentiall & privacy

vii) counselling की सबसे बड़ी विशेषता यह है, बताया जाता है कि counseller को confictitionaly एवं privecy को स्थापित करना होता है। client को यह विश्वास दिलाना पड़ता है कि उसके द्वारा बताई गई कोई भी बात दूसरे लोगों को नहीं पहुंचाई जाएगी। यह पूरी तरह गोपनीय होगा। जब client को यह विश्वास हो जाता है तभी वह counseller को अपनी समस्या से अवगत कराता है।

Counselling is process of attention & focused on specific problem of client

(7)

viii) counselling की प्रक्रिया में client की समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसके समस्या को समझा जाता है। इसका Analysis किया जाता है। counseller का पूरा ध्यान client के समस्या से संबंधित बातों पर होता है व हर चीज को client की समस्या से जोड़ने की कोशिश करता है।

Counselling is process of exchange of verbal & non verbal messages in counsel

IX) counselling के दौरान message का आदान प्रदान होता है। counseller client की बताई हुई हर बात verbal Message और उसके द्वारा किया गया व्यवहार यानी हाव-भाव (Non-verbal Message) को समझने की कोशिश करता है। और इसके द्वारा client के Problem की पूरी जानकारी प्राप्त करता है।

इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि counselling एक लम्बी प्रक्रिया है जो client एवं counseler के बीच एक dynamic Relationship स्थापित करता है। यह संबंध Rapport पर निर्धारित होता है। और confidency और Privacy का खास ख्याल रखा जाता है।